समुद्री जैव विविधता का खाका

एक दशक तक चली समुद्री जीव-गणना के आधार पर समुद्रों में जैव विविधता का एक खाका तैयार हुआ है। इस काम में 2700 वैज्ञानिकों ने 9000 दिन समुद्रों में बिताए। मगर लगता है कि अभी तो ऊपर-ऊपर से ही कुरेदा गया है। माना जाता है कि समुद्रों में कम से कम 10 लाख जीव प्रजातियों का निवास है, मगर इस जीव-गणना में मात्र 2 लाख 50 हज़ार प्रजातियों का ही विवरण प्रस्तुत हुआ है। यानी हर देखी गई प्रजाति के पीछे कम से कम तीन ऐसी हैं जिन्हें देखा जाना बाकी है।

इस प्रयास में अब तक 1200 नई प्रजातियां देखी गई हैं। और अभी संग्रह किए गए सारे जीवों का विस्तृत अध्ययन नहीं किया गया है। जब यह अध्ययन पूरा होगा, तब और भी नई प्रजातियां हाथ लगने की उम्मीद है। समुद्रों में से प्राप्त की गई कुछ प्रजातियां ऐसी भी हैं जिनके बारे में मान लिया गया था कि वे विलुप्त हो चुकी हैं। जैसे जुरासिक काल के झींगे के बारे में माना जाता था कि वह 5 करोड़ साल पहले ही धरती से रुखसत हो चुका है मगर जीव-गणना के दौरान यह जीव सही सलामत अवस्था में पकड़ा गया।

दरअसल इस जीव-गणना का मकसद संरक्षण कार्य में मदद का है। जैसे जीव-गणना के दौरान एक प्रयास यह भी किया जा रहा है कि इलेक्ट्रॉनिक विधि से जंतुओं की गतिशीलता पर नज़र रखी जा रही है। इससे इन जंतुओं के प्रवास मार्गों को समझने में मदद मिलेगी। जीव-गणना से जुड़े वैज्ञानिकों का मत है कि वास्तव में इन प्रवास मार्गों के संरक्षण की ज़रूरत है, अन्यथा होगा यह कि आप एक जगह उस जंतु का संरक्षण करेंगे और दूसरी जगह या रास्ते में वह मरता रहेगा।

अब तक हुए अध्ययन के आधार पर जैव विविधता की दृष्टि से दुनिया भर के समंदरों में से सबसे समृद्ध समुद्र मेक्सिको की खाड़ी और ऑस्ट्रेलिया की तटरेखा पाई गई है। ***(स्रोत फीचर्स)***